

प्रेषक,

अनूप वधावन,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 24 सितम्बर, 2009

विषय: आगामी कुम्भ मेला, 2010 हेतु सक्शन कम जेटिंग मशीन कय हेतु प्रशासकीय, वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 955/कु.मे./ग0प्र0नि0इ0 दिनांक 19.8.2009 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, गंगा प्रदुषण नियंत्रण इकाई, हरिद्वार द्वारा उक्त कार्य हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 97.07 लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु. 77.61 लाख (रु0 सत्तर लाख इकसठ हजार) मात्र की धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति देते हुए उक्त धनराशि को वित्तीय वर्ष 2009-10 में व्यय किए जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त कार्य को इसी धनराशि से पूर्ण किया जाएगा एवं आगणन का पुनरीक्षण किसी दशा में नहीं किया जाएगा।
2. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए, जितनी राशि स्वीकृत की गई है। आहरण व व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि संबंधित मशीनों/उपकरणों का कय कुम्भ 2010 की दृष्टि से आवश्यक है।
3. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
4. सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा इस विषय में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों के प्राविधानों का पालन कड़ाई से किया जाए।
5. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार निर्धारित प्रारूप पर अनुबन्ध निष्पादन की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जाएगी।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2010 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
7. कय करने से पूर्व विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत /अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदित कराना आवश्यक होगा।
8. यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त पूर्ण कार्य या इसके कोई भाग के विषय में, कोई धनराशि कुम्भ-2010 के कार्यों के बजट से अथवा अन्य स्रोतों से स्वीकृत न हुआ हो अन्यथा अन्य स्रोतों से स्वीकृत धनराशि को शासन को समर्पित कर दिया जाएगा।
9. मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराने समय अथवा आगणन गठित करने समय कड़ाई से पालन किया जाए।
10. उक्त मशीन की कदाचित पूर्व में स्वीकृति दी जा चुकी है। अतः यदि वास्तव में मशीन की आवश्यकता हो तभी इसे कय किया जाए।

11. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा
12. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु अधिशासी अभियन्ता, गंगा प्रदुषण नियंत्रण इकाई, हरिद्वार एवं मेलाधिकारी, हरिद्वार पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के 'अनुदान संख्या-13' के 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-07-हरिद्वार कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा" के अन्तर्गत मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे डाला जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 378/XXVII(2)/2009 दिनांक 22 सितम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अनूप वधावन)
सचिव।

संख्या : 1004 (1)/IV(1)/2009 तददिनांक 24/9/09

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, हरिद्वार।
12. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(अनूप वधावन)
सचिव।